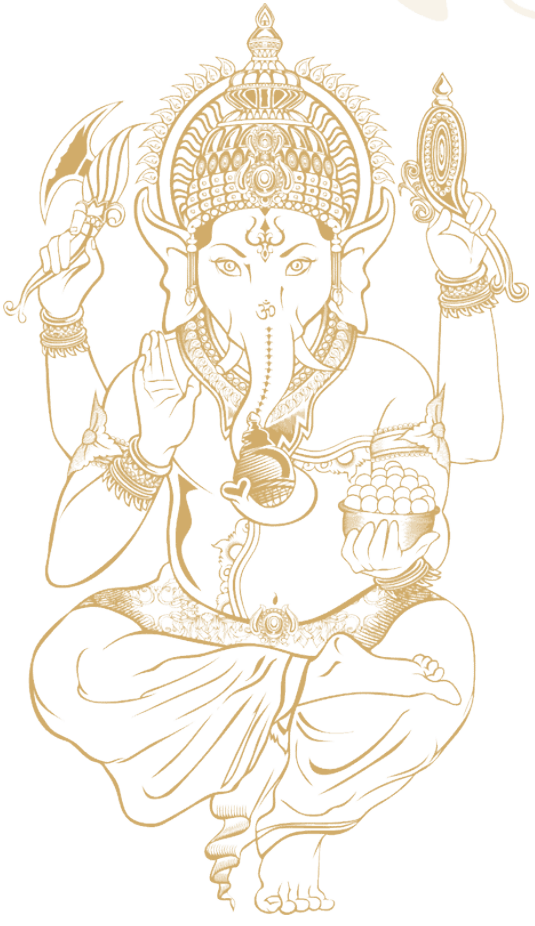

Pramod bhati

30 Aug 2003

04:20 AM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121647707

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29-30/08/2003**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**04:20:00 घंटे**
इष्ट	55:10:28 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:42:32 घंटे
वेलान्तर	-00:01:06 घंटे
साम्पातिक काल	02:13:27 घंटे
सूर्योदय	06:15:48 घंटे
सूर्यास्त	19:00:46 घंटे
दिनमान	12:44:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	12:16:40 सिंह
लग्न के अंश	16:06:25 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुभ
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	16:06:25	311:21:13	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	---
सूर्य			सिंह	12:16:40	00:58:00	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मूलत्रिकोण
चंद्र			कन्या	11:31:58	14:17:05	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
मंगल	व		कुंभ	10:47:42	00:15:59	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध	व	अ	कन्या	02:19:34	00:08:08	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु		अ	सिंह	06:39:09	00:13:04	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र		अ	सिंह	15:20:59	01:14:24	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			मिथु	16:31:32	00:05:29	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	29:41:16	00:07:20	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	29:41:16	00:07:20	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	06:42:53	00:02:23	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप	व		मक	17:13:11	00:01:26	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:19:51	00:00:02	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	11:45:33	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:16

लग्न-चलित

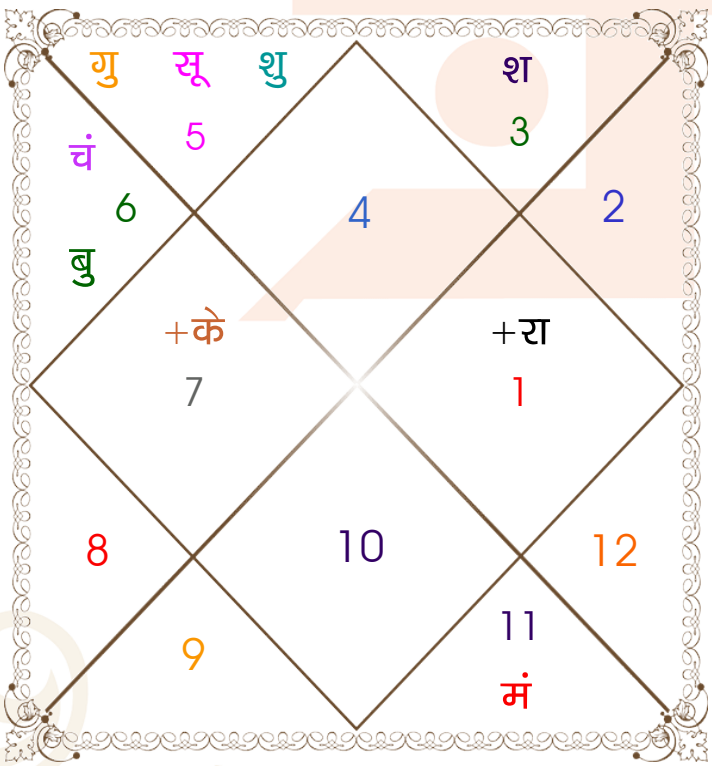

चन्द्र कुंडली

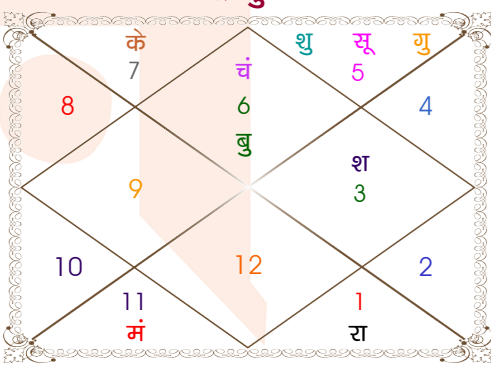

नवमांश कुंडली

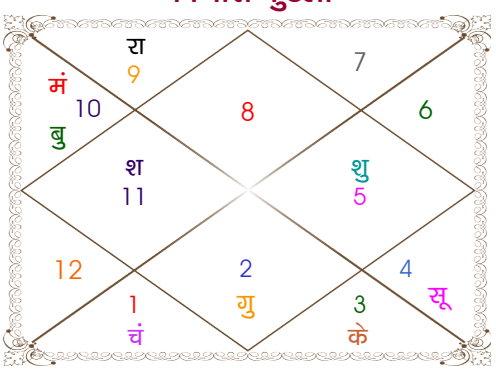

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 10 मास 6 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
30/08/2003		05/07/2012		06/07/2019		06/07/2037		06/07/2053	
05/07/2012		06/07/2019		06/07/2037		06/07/2053		05/07/2072	
	30/08/2003	मंगल	01/12/2012	राहु	18/03/2022	गुरु	24/08/2039	शनि	08/07/2056
मंगल	05/12/2003	राहु	20/12/2013	गुरु	11/08/2024	शनि	06/03/2042	बुध	18/03/2059
राहु	05/06/2005	गुरु	26/11/2014	शनि	18/06/2027	बुध	11/06/2044	केतु	26/04/2060
गुरु	05/10/2006	शनि	05/01/2016	बुध	04/01/2030	केतु	18/05/2045	शुक्र	27/06/2063
शनि	05/05/2008	बुध	01/01/2017	केतु	23/01/2031	शुक्र	17/01/2048	सूर्य	08/06/2064
बुध	05/10/2009	केतु	30/05/2017	शुक्र	22/01/2034	सूर्य	04/11/2048	चंद्र	07/01/2066
केतु	06/05/2010	शुक्र	30/07/2018	सूर्य	17/12/2034	चंद्र	06/03/2050	मंगल	16/02/2067
शुक्र	05/01/2012	सूर्य	05/12/2018	चंद्र	17/06/2036	मंगल	10/02/2051	राहु	23/12/2069
सूर्य	05/07/2012	चंद्र	06/07/2019	मंगल	06/07/2037	राहु	06/07/2053	गुरु	05/07/2072

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/07/2072		06/07/2089		05/07/2096		06/07/2116		07/07/2122	
06/07/2089		05/07/2096		06/07/2116		07/07/2122		00/00/0000	
बुध	02/12/2074	केतु	02/12/2089	शुक्र	05/11/2099	सूर्य	24/10/2116	चंद्र	07/05/2123
केतु	29/11/2075	शुक्र	01/02/2091	सूर्य	05/11/2100	चंद्र	25/04/2117	मंगल	31/08/2123
शुक्र	29/09/2078	सूर्य	09/06/2091	चंद्र	07/07/2102	मंगल	30/08/2117		00/00/0000
सूर्य	06/08/2079	चंद्र	08/01/2092	मंगल	06/09/2103	राहु	25/07/2118		00/00/0000
चंद्र	04/01/2081	मंगल	05/06/2092	राहु	06/09/2106	गुरु	13/05/2119		00/00/0000
मंगल	01/01/2082	राहु	23/06/2093	गुरु	07/05/2109	शनि	24/04/2120		00/00/0000
राहु	21/07/2084	गुरु	30/05/2094	शनि	06/07/2112	बुध	01/03/2121		00/00/0000
गुरु	26/10/2086	शनि	09/07/2095	बुध	07/05/2115	केतु	07/07/2121		00/00/0000
शनि	06/07/2089	बुध	05/07/2096	केतु	06/07/2116	शुक्र	07/07/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 10 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि में ही द्रेष्काण उदित था। आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन उज्जवल एवं फलदायक है। परन्तु आपके स्वास्थ्य से सम्बंधित कतिपय सतर्कतापूर्ण निर्देश प्राप्त होते हैं।

प्रायः कर्क राशीय प्रभाव से आप शारीरिक रूप से बाल्यावस्था में सुकुमार रहेंगे। बल्कि आयु वृद्धि के साथ-साथ आपकी शारीरिक अभिवृद्धि भी होगी तथा शारीरिक स्थिति में सुधार संभव है। तथापि वृश्चिक नवमांश के प्रभाव से आप दुःसाहसिक कदम उठाएंगे। फलस्वरूप आप कतिपय रोगों से आक्रान्त हो सकते हैं। उत्तम तो यह है कि आप पाचन क्रिया के कारण कुष्ठ रोगादि उत्पन्न होने के पूर्व ही सतर्कता अपनाना ठीक है। आपको सतत ही सन्धिवात अर्थात् गाँठ के दर्द (गठिया) वाय, अलसर, गौस्टिक रोग एवं नितम्ब बेदना रोग उत्पन्न होने के प्रति रक्षित रहें। आप उत्तम स्वास्थ्य लाभ हेतु नियमितता बनाए रखें तथा अधिक भोजन करने की आदत नियंत्रण रखें।

अकारण मद्यपान की निवृति की अनुशंसा करे। अर्थात् त्याग करें।

आप बहुत धनोपार्जन करेंगे तथा आपके पास धन कोष पर्याप्त रहेगा। यह सुनिश्चित है, जबकि आप एकाग्रचित होकर स्वतः अपने कार्य उद्देश्य के सफलता की प्राप्ति हेतु दृढ़तापूर्वक प्रयासरत रहें। आपके जीवन का भाग्यशाली समय 36 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा। आप अपनी अति अभिलाषा पर नियंत्रण रखें तथा अपने उद्देश्य को कार्यरूप दें। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि आप विश्वसनीयता पूर्वक कार्य सम्पादन करेंगे। आप मंत्रि पद एवं उच्च कार्यकारी पदाधिकारी पद पर आसीन हो सकते हैं। बशर्ते कि विश्वास पूर्वक अपनी प्रतिष्ठा को सम्मान जनक बना सके। आपके लिए व्यवसाय जल से सम्बंधित कार्य है। यथा तटबन्ध, नहर-सिचाई, कृषि एवं जहाजरानी सम्बंधी कार्य अनुकूल होंगे।

आप जनसामान्य हेतु ज्योतिषीय कार्य अर्थात् भविष्यवक्ता, शिक्षण कार्य आदि आध्यात्मिक व्यवस्था को पसन्द करते हैं। क्योंकि आपने विश्वसनीयता पूर्वक आध्यात्मिक ज्ञान का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपकी उच्चाकांक्षा है कि आप दर्शनीय तीर्थस्थानों का भ्रमण कर, लोक कल्याणकारी कार्य प्रस्तुत करेगें। आपमें यह गुण विद्यमान है कि बहुसंख्यक प्राणी आपकी विश्वसनीयतापूर्ण आध्यात्मिक समर्पण की प्रशंसा करेंगे। आप विश्वसनीयता को प्राथमिकता देकर प्रशंसित व्यवसाय करेंगे तथा सदैव आपका व्यवहार जनसाधारण द्वारा प्रशंसित रहेगा।

आप उच्च कोटि के भावुक प्राणी है। आप अपने परिवार के साथ पूर्णतः सम्बंधित रहेगे। आप अपनी पत्नी के पूर्ण स्नेह प्रदान करने के लिए तत्पर रहकर अपने पारिवारिक सदस्यों की उन्नति और सुधार के लिए त्याग करेंगे। तथापि आप अपनी आश्चर्यजनक उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने के अभ्यास का आचरण करें। इसमें सन्देह नहीं कि आप सदैव शान्त रहते हैं, तथापि शीघ्रतापूर्वक पुनः समत्वबुद्धि (धैर्य) धारण कर लेते है। परन्तु इस

प्रवृति का दृश्यान्त आंशिक हानिप्रद होता है। अतः आप इस बेसुधपना को अनिवार्य रूप से शान्ति पूर्ण बना लें तथा निश्चितता पूर्वक विश्राम ग्रहण करें।

आप अपने स्तर के बहुसंख्यक मित्र अपनी यात्रा क्रम में बनाएंगे। आपकी अभिलाषा है कि आपका मित्रतापूर्ण संबंध शुभकांक्षाओं से युक्त एवं विश्वास जनक हो। आप अपने मित्रों के साथ आमोद-प्रमोद युक्त आनन्द एवं प्रीति मिलन मुक्तहस्त से अपने आवास पर उदारतापूर्ण आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक, 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली प्रमाणित होगा एवं अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त है। आपके लिए रंग ब्लू एवं हरा रंग उपयुक्त नहीं अस्तु आपके लिए लाल, पीला, सफेद एवं क्रीम रंग फलदायक प्रतीत होता है।